● सुनो, समझो और गाओ :

८. आह्वान

-देवेंद्र आर्य

इस कविता में कवि ने आने वाली प्रत्येक परिस्थिति का निडर होकर सामना करने की प्रेरणा दी है ।

अध्ययन कौशल

कविता में आए कठिन शब्दों के अर्थ वर्ण क्रमानुसार शब्दकोश में ढूँढ़ो और लिखो ।

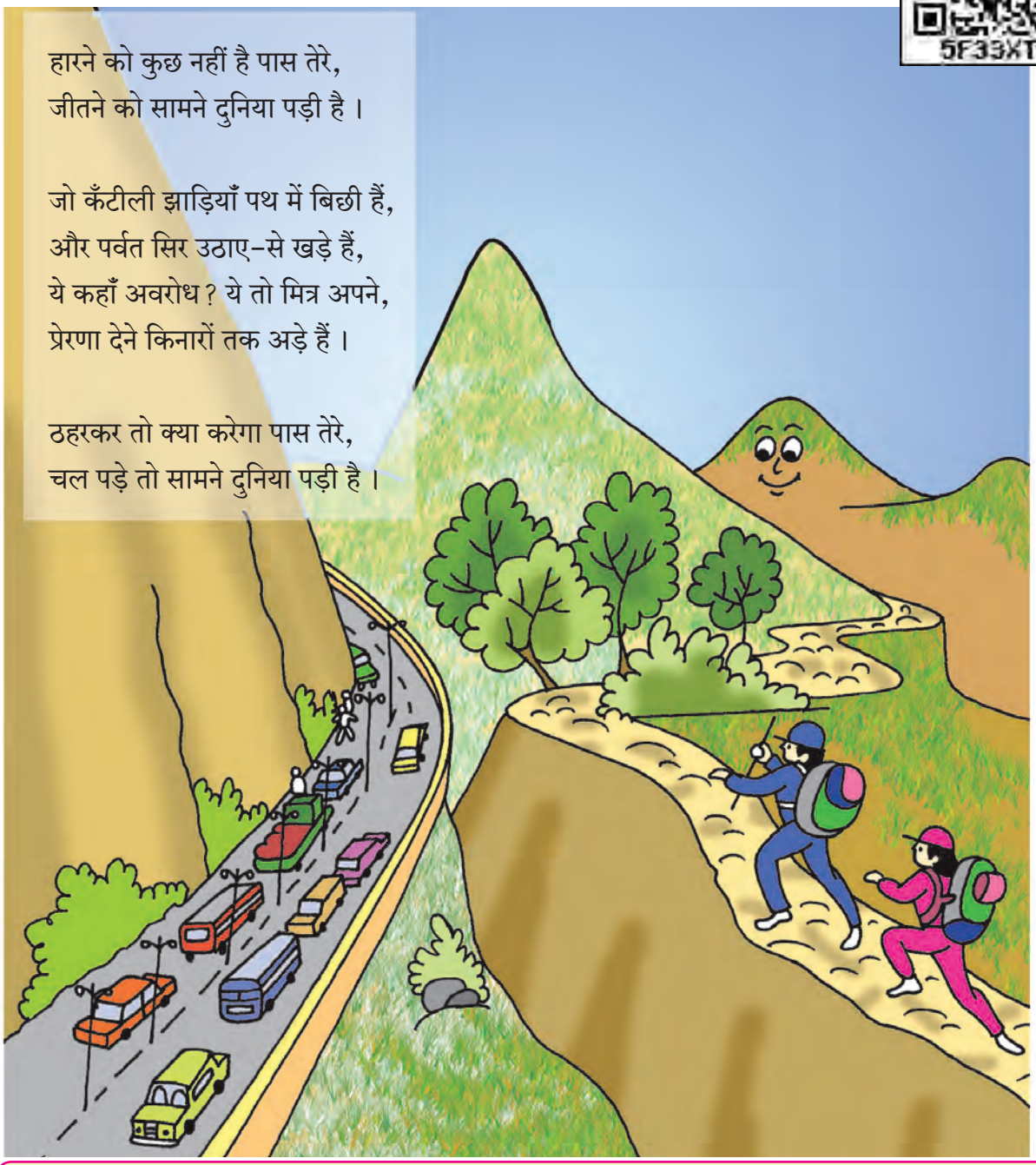

❑ उचित आरोह-अवरोह, हाव-भाव के साथ कविता का पाठ करें । विद्यार्थियों से एकल एवं गुट में पाठ कराएँ । कविता में आए भावों पर प्रश्नोत्तर के माध्यम से चर्चा करें । विषम परिस्थितियों में भी अपना कार्य पूरा करने के लिए प्रेरित करें ।

सदैव ध्यान में रखो

धैर्य के साथ हौसला रखते हुए मुसीबतों का सामना करना चाहिए ।

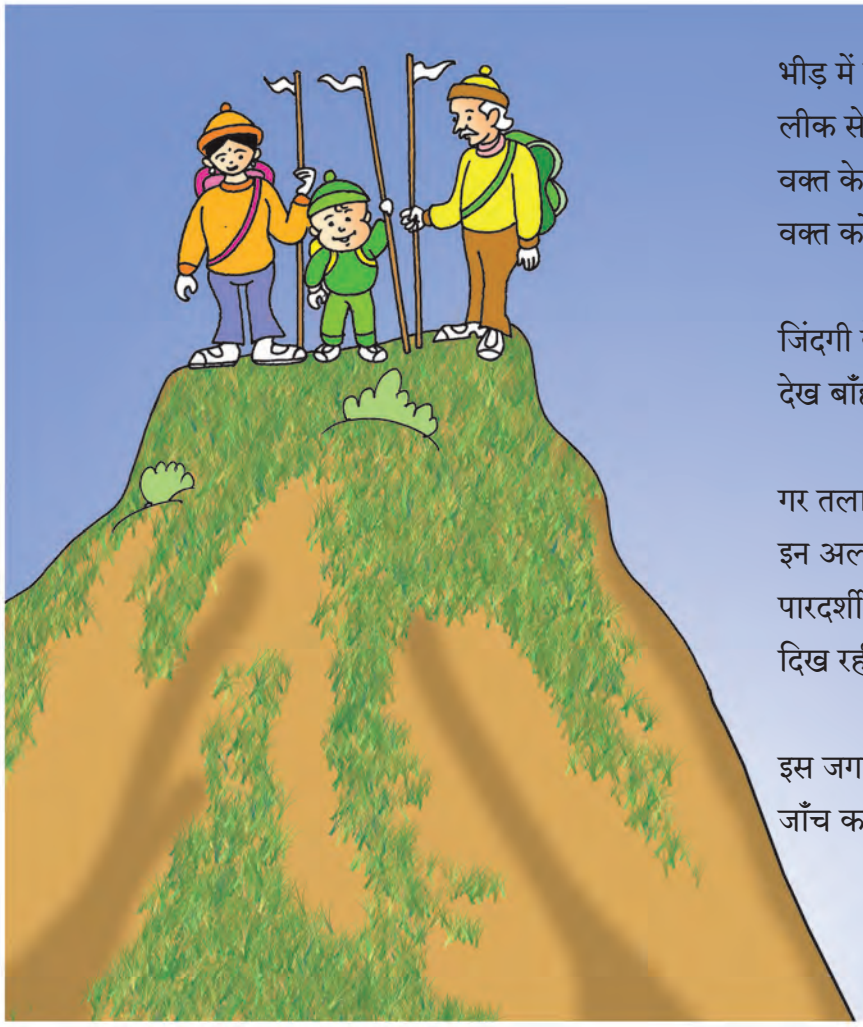

भीड़ में पहचान कब होती किसी की,
लीक से हटकर चलो तो बात है कुछ ।
वक्त के आगे सभी बेबस हुए हैं,
वक्त को बेबस करो तो बात है कुछ ।

जिंदगी के चार पल हैं पास तेरे,
देख बाँहों में लेने दुनिया खड़ी है ।

गर तलाशो तो तलाशो आग अपनी,
इन अलावों में कहाँ चिनगारियाँ हैं ।
पारदर्शी से बने जग आईनों में,
दिख रही ये कौन-सी परछाइयाँ हैं ।

इस जगत का व्याकरण है पास तेरे,
जाँच कर पढ़ना कि ये दुनिया बड़ी है ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

कँटीली = जिसमें काँटे हो ।
अवरोध = रुकावट
लीक = लकीर, रेखा
बेबस = लाचार, पराधीन
अलाव = आग जलाने के लिए बनाया हुआ गड्ढा
व्याकरण = लेखा

स्वयं अध्ययन

कविता में आए शब्दों के माध्यम से चित्रात्मक कहानी बनाओ ।

विचार मंथन

।। सत्कर्मों की तूलिका से जीवन में रंग भरो ।।

खोजबीन

'आईने' कितने प्रकार के होते हैं और उनका उपयोग कहाँ-कहाँ किया जाता है, खोजो ।

सुनो तो जरा

कोई प्रयाणगीत सुनो और उसे सस्वर सुनाओ ।

बताओ तो सही

अगर तुम भीड़ में खो गए तो क्या करोगे, चर्चा करो ।

वाचन जगत से

कोई साहसकथा पढ़ो तथा कक्षा में सुनाओ ।

मेरी कलम से

तुमने किसी कठिन परिस्थिति का सामना कैसे किया? प्रसंग आत्मकथनात्मक रूप में लिखो ।

❊ निम्नलिखित काव्यपंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

'वक्त के आगे सभी बेबस हुए हैं ।
वक्त को बेबस करो तो बात है कुछ ।'

जरा सोचो ..... चर्चा करो

यदि प्रकृति में सुंदर-सुंदर रंग नहीं होते तो .....

भाषा की ओर

नीचे दिए गए शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द मित्र की सहायता से ढूँढ़कर लिखो ।